इंजीनियरी के सामान का निर्यात

655. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री इंजीनियरी के सामान का निर्यात करने के बारे में 2 दिसम्बर, 1977 के तारांकित प्रश्न संख्या 249 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन देशों के नाम क्या है जिन्हें वर्ष 1977-78 के दौरान 150 करोड़ रुपये के मूल्य का तथा 1978-79 के दौरान 175 करोड़ रुपये के मूल्य का इंजीनियरी का सामान निर्यात किया गया अथवा करने का विचार है और तत्संबंधी शर्तें क्या हैं ; और

(ख) क्या अब इन देशों को निर्यात किये जा रहे इंजीनियरी के सामान में भविष्य में वृद्धि करने के कोई लक्ष्य हैं तथा उनको किये जाने वाले निर्यात के बदले उनसे क्या-क्या सामान आयात किया जायेगा ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री आरिफ बेग) : (क) और (ख) वर्ष 1977-78 से 1980-81 तक के लिये पूर्वी क्षेत्र से निर्यातों के लक्ष्यों सहित देशों के ग्रुप के नाम नीचे दिये जाते हैं :—

	1977-78	1978-79	1979-80	1980-81
			(करोड़ रु० में)	
एशिया . . .	80.00	90.00	100.00	120.00
अफ्रीका . .	20.00	26.00	30.00	40.00
यूरोप . . .	30.00	35.00	40.00	50.00
अमरीका . . .	15.00	17.00	20.00	30.00
समुद्री द्वीप समूह . .	2.00	3.00	5.00	5.00
आस्ट्रेलिया . .	3.00	4.00	5.00	5.00
योग : . .	150.00	175.00	200.00	250.00

संविदाओं की शर्तें समान नहीं है तथा संविदा की प्रकृति के आधार पर भिन्न-भिन्न हैं। केवल कुछ देशो के मामले में ही यह प्रबन्ध है जिस के अन्तर्गत अलग-अलग करारों में की गई व्यवस्था के अनुसार उन्हें किए गए निर्यातों के बदले में माल का आयात किया जाता है। जिन मुख्य वस्तुओं का आयात इन देशों से किया जाता है, उनमें ये शामिल हैं : उर्वरक, मिट्टी का तेल, डीजल तेल, कच्चा पेट्रोल, गन्धक, जहाज, अलौह धातु तथा मशीनरी की विविध मदें। निर्यातों में परम्परागत मदों के अतिरिक्त इंजीनियरिंग माल सहित अनेक गैर-परम्परागत मदें शामिल हैं।